समयबद्ध कार्यक्रम

क्र.स.	कार्य	वर्ष	माह
	बीज द्वारा पौध तैयार करना		
1	स्वस्थ पौधों का चयन	–	कभी भी
2	स्वस्थ व रोगमुक्त पौधों से बीज एकत्रीकरण	प्रथम वर्ष	अक्टूबर तृतीय सप्ताह
3	बीज बुआई	द्वितीय वर्ष	मार्च के
4	अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण	द्वितीय वर्ष	जुलाई–अगस्त
5	पौध का रखरखाव	द्वितीय एवं तृतीय वर्ष	–
6	रोपण कार्य	तृतीय वर्ष	जुलाई

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

1– मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान
मो0– 9412076135, 05946–234047
2– वन संरक्षक , अनुसंधान वृत्त हल्द्वानी
मो0 9458192126, 0596–235136
3– वन वर्धनिक, पर्वतीय, उत्तराखण्ड, नैनीताल
मो0 09458192184, 05942–236270

अनुसंधान पत्रक 4/2015-16

भोजपत्र
(Betula utilis)

पौध उत्पादन प्राविधि

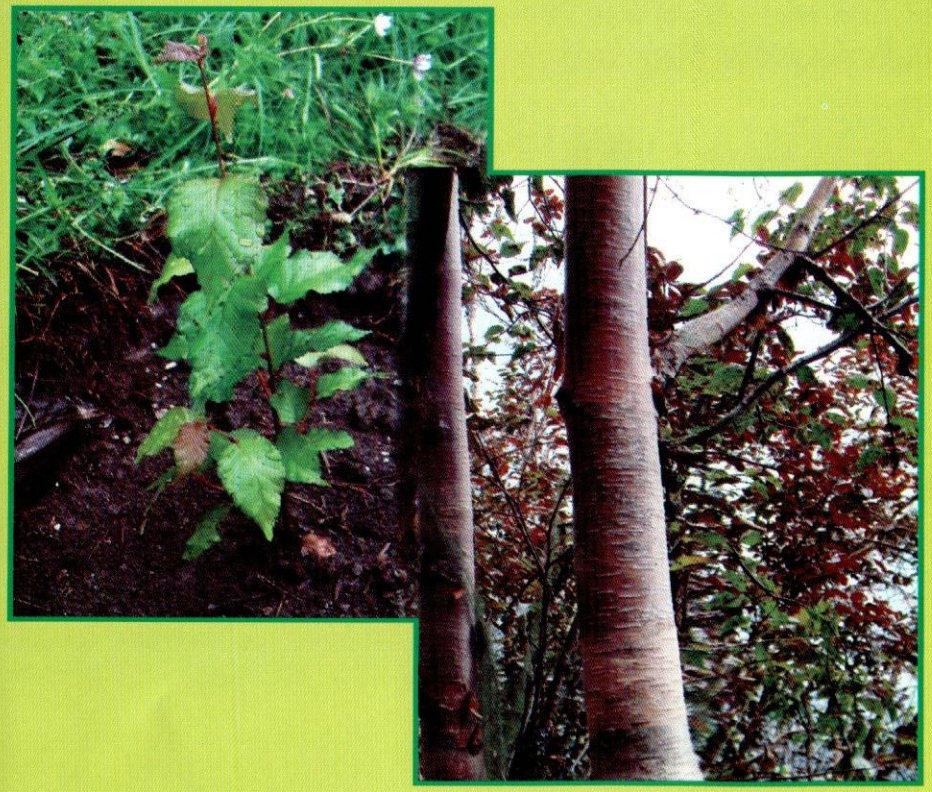

वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल
उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी
वन विभाग, उत्तराखण्ड

भोजपत्र
(Betula utilis)

परिचय

भोजपत्र एक मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष है। यह अल्पाइन क्षेत्र में 2,900–4,000 मी0 ऊँचाई पर पाया जाता है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में सबसे अधिक ऊँचाई पर यह वन क्षेत्रों का निर्माण करता है एवं अच्छा वायु अवरोधक भी है। छाल लाल भूरी के साथ सफेद पतली चमकदार होती है जिसका उपयोग पूर्व में पेपर के रूप में किया जाता रहा है तथा इसकी छाल में औषधि गुण भी पाये जाते हैं।

प्रवर्धन प्राविधि

भोजपत्र का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जा सकता है।

बीज द्वारा पौध तैयार करना

उच्च गुणवत्ता के परिपक्व बीज स्वस्थ व रोग मुक्त पौधों से माह अक्टूबर में एकत्र करते हैं। एकत्रित बीज को साफ कर सुखाते हैं। माह मार्च के द्वितीय सप्ताह में बीज को 12 घंटे पानी में भिगाकर शेडहाउस के अन्दर जर्मिनेशन ट्रे में बालू में बुआई करते हैं। बुआई का कार्य ट्रे में करते

हैं। लगभग 8–9 सप्ताह में बीज में अंकुरण प्रारम्भ हो जाता है तथा इस विधि से लगभग 40–46 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त होता है। इसका बीज लगभग एक वर्ष तक उगता रहता है।

पौध प्रत्यारोपण

अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण 3–4 पत्तियॉ आ जाने के पश्चात किया जाना चाहिए। प्रत्यारोपण हेतु पौधों को जर्मीनेशन ट्रे से सावधानीपूर्वक निकालना चाहिए तथा प्रत्यारोपण के समय पौधे को कालर के बजाय पत्ते से पकड़ना चाहिए। प्रत्यारोपण 300 सी0सी0 के रूट–ट्रेनर अथवा 9"x 6" के पॉलीबैग में शेड हाउस में करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है।

पॉटिंग मीडियम मिट्टी + हयूमस + वर्मीकम्पोस्ट (2:1:1) उपयुक्त पाया गया है। अगले वर्ष फरवरी–मार्च में पौधों को खुले स्थान पर रखना चाहिए तथा नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए। लगभग 1 वर्ष में बीज द्वारा उगाये गये पौधे रोपण हेतु तैयार हो जाते हैं।

रोपण

वर्षाकाल में रोपण करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। 3मी0 X 3मी0 की स्पेसिंग पर रोपण करना उपयुक्त होता है।